No of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दा की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [2×10=20]

(क) उन्होंने देखा कि प्रजातंत्र उनके तख़्त के पास ज़मीन पर पंजों के बल बैठा है। उसने हाथ जोड़ रखे हैं। उसकी शक्ल हलवाहों जैसी और अंग्रेजी तो अंग्रेजी, वह शुद्ध हिन्दी भी नहीं बोल पा रहा है। फिर भी वह गिड़गिड़ा रहा है और वैद्य जी उसका गिड़गिड़ाना सुन रहे हैं। वैद्य जी उसे बार-बार तख़्त पर बैठने के लिए कहते हैं और समझाते हैं कि तुम गरीब हो तो क्या हुआ, हो तो हमारे रिश्तेदार ही, पर प्रजातंत्र बार-बार उन्हें हुज़ूर और सरकार कह कर पुकारता है।

(ख) इस रूमानी प्रेम का महत्त्व है, पर मुसीबत यह है कि वह कच्चे मन का प्यार होता है, उसमें सपने, इंद्रधनुष और फूल तो काफी मिकदार में होते हैं पर वह साहस और परिपक्वता नहीं होती जो इन सपनों और फूलों को स्वस्थ सामाजिक सम्बन्ध में बदल सके। नतीजा यह होता है कि थोड़े दिन बाद यह सब मन से उसी तरह गायब हो जाता है जैसे बादल की छाँह। आखिर हम हवा में तो नहीं रहते हैं और जो भी भावना हमारे सामाजिक जीवन की खाद नहीं बन पाती, जिन्दगी उसे झाड़-झंखाड़ की तरह उखाड़ फेंकती है।

(ग) कुदरते खुदाबंदी का यकीन दिलाने के लिए मूसा ने बड़े-बड़े मोजज़े दिखाए। आसमानों को कैसा बुलंद और बाआब बनाया। सूरज के जरिए रात और दिन की तारीक़ी और रोशनी का इंतजाम किया। सतह ज़मीन को बिछाकर इस पर पहाड़ कायम किए। आसमान से पानी बरसाया और जमीन से सब्ज़ा उगाया। सतह ज़मीन की अगर एक वसीह फ़र्श से मिसाल दी जाए तो इस पर पहाड़ों को ऐसा समझा जाएगा कि गोया फर्श को अपनी जगह रखने के लिए मेखें गाड़ दी हों।

(घ) मैं क़ायदे आज़म के सामने हाथ जोड़कर दया और शांति के लिए प्रार्थना करूँगा। मैं उनसे कहूँगा कि इस कत्ल और खून को बंद कराएँ, अमन कायम कराएँ। हिन्दू भाई-बहिनें

फिर अपने घरों में लौटकर शांति से निर्भय रह सकें लेकिन उससे पहले यहाँ से गये मुसलमानों का लौट आना ज़रूरी है। जब तक दिल्ली और हिन्दुस्तान में मुसलमानों के लिए खतरा मौजूद है, मैं किस मुँह से पाकिस्तान गवर्नमेंट पर कत्लो–खून और बदअमनी के लिए दोष लगा सकता हूँ, किस मुँह से उन्हें शांति कायम करने के लिए कह सकता हूँ ? मैं हिन्दुस्तान और पाकिस्तान दोनों जगह शांति और अमन कायम करने के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा रहा हूँ।

2. ‘राग दरबारी’ उपन्यास में शिक्षा संस्था को केन्द्र बनाकर किन सामाजिक विकृतियों को व्यंग्य का निशाना बनाया गया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [10]

3. ‘सूरज का सातवाँ घोड़ा’ के आधार पर धर्मवीर भारती की जीवन–दृष्टि का परिचय दीजिए। [10]

4. जिंदगीनामा’ की भाषा–शैली की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। [10]

5. ‘झूठा सच’ में देश के विभाजन की राजनैतिक पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए।

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

[2×5=10]

(क) रंगनाथ का चरित्र चित्रण।

(ख) 'झूठा सच' के स्त्री पात्र।

(ग) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की कथावस्तु।

(घ) 'ज़िंदगीनामा' में व्यक्त जीवन-दृष्टि।

----- X -----